

खिलवत स्त्री. (अर.) एकांत, निर्जन, जन शून्य स्थान, तनहाई।

खिलवाड़ पुं. (देश.) 1. मन बहलाने या समय बिताने के लिए बच्चों की तरह का किया जाने वाला काम 2. मनबहलाव, दिल्लगी 3. बहुत ही साधारण रूप से किया हुआ काम।

खिलवाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किसी को भोजन कराना 2. किसी को तृप्त करना 3. प्रफुल्लित कराना 4. खीले बनवाना।

खिलाई स्त्री. (देश.) 1. भोज की क्रिया, खाने का काम 2. खिलाने का काम।

खिलाई-पिलाई स्त्री. (देश.) खिलाने-पिलाने की क्रिया या भाव 2. खाने या खिलाने का पारिश्रमिक।

खिलाफी स्त्री. (अर.) मुखालफत, विरोध (प्रायः समास में) जैसे. वादाखिलाफी।

खिलाड़ वि. (देश.) 1. बहुत खेलने वाला स्त्री. (देश.) बदचलन, पुश्चली, चंचल, हाव-भाव में प्रवीण।

खिलाड़ी वि. (देश.) 1. खेलने वाला 2. खेल करने वाला 3. कुश्ती करने वाला पुं. (देश.) 1. खेलने वाला व्यक्ति 2. जादूगर, बाजीगर 3. पहलवान।

खिलाना स.क्रि. (देश.) खिलने की प्रेरणार्थक क्रिया 1. भोजन कराना, दावत देना 2. प्रफुल्ल करना 3. खेल कराना, किसी को खेल में नियोजित करना।

खिलाफ वि. (अर.) विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा।

खिलाफत स्त्री. (अर.) 1. खिलाफ या विरोध होने का भाव 2. खलीफा का पद 3. स्थानापन्नता 4. ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध एक छेड़ा गया आंदोलन 'खिलाफत आंदोलन'।

खिलाल स्त्री. (अर.) 1. दाँत खोदने का तिनका 2. दो चीजों के बीच का फासला 3. ताश आदि खेल में पूरी बाजी की हार।

खिलौना पुं. (देश.) काठ, मोम, मिट्टी की बनी चीज जिससे बालक खेलते हैं, खेलने की चीज या साधन, किसी को मन बहलाने का साधन या सामग्री मुहा. हाथ का खिलौना- आमोद प्रमोद की वस्तु, प्रिय वस्तु।

खिल्त स्त्री. (अर.) 1. यूनानी वैज्ञानिकों की मानी हुई शरीर की धातुओं (वात, पित्त, कफ) में से कोई 2. एक मिला-जुला, एक में मिला हुआ।

खिल्ली स्त्री. (देश.) 1. हँसी, मजाक, दिल्लगी 2. पान का बीड़ा, गिलौरी जैसे- वह पाने में खिल्ली दबाए हुए है 3. कील, काँटा मुहा. खिल्ली उड़ाना- किसी का मजाक उड़ाना, उपहास करना।

खिल्लीबाज पुं. (देश.+फा.) खिल्ली उड़ाने वाला, दिल्लगी बाज, विनोदी, हँसी-मजाक करने वाला।

खिसकना अ.क्रि. (देश.) हटना, सरकना, चुपके से दूसरों की दृष्टि बचाते हुए उठ कर चल देना।

खिसकाना स.क्रि. (देश.) हटाना, सरकाना, चुपके से हथिया लेना, चुपके से किसी की कोई वस्तु उठाकर चल देना।

खिसलना अ.क्रि. (देश.) दे. फिसलना।

खिसलाहट स्त्री. (देश.) फिसलने या खिसलने का भाव या क्रिया।

खिसिआना अ.क्रि. (देश.) लज्जित होकर, अप्रसन्न होकर अथवा रुष्ट होकर दाँत निकाल देना या सिर झुका लेना।

खिसी स्त्री. (देश.) खींचने का क्रिया या भाव।

खींचतान स्त्री. (देश.) 1. किसी वस्तु की प्राप्ति के लिए व्यक्तियों द्वारा एक दूसरे से छीनने का व्यापार आदि 2. विभिन्न दिशाओं में विभिन्न पक्षों द्वारा खींच कर ले जाने की क्रिया या प्रयास 3. खींचा-खींची, नौक-झोंक 4. किसी तरह खींच-खींच कर शब्द या वाक्य का अन्य अर्थ लगाना।

खींचना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु को अपनी ओर आकृष्ट करना, घसीटना 2. किसी वस्तु या स्थान से कोई चीज बलपूर्वक बाहर निकालना